# MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY

Vol. 2026-II April - June 2026 https://mpbou.edu.in

# e-Newsletter

## (MPBOU)

**Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal**

Raja Bhoj Marg, Kolar Road, Bhopal (M.P.)

# विश्व स्वास्थ्य दिवस
## दिनांक - 07 अप्रैल 2026

विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन के साथ हुआ।इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में एल एन मेडिकल कॉलेज एवं JK Hospital के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. ए. के. चौधरी उपस्थित रहे। उनका स्वागत विश्वविद्यालय के माननीय प्रभारी कुलगुरु एवं कुलसचिव द्वारा शॉल और श्रीफल भेंट कर किया गया।

इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की थीम "स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें और विज्ञान के साथ खड़े हों" पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. ए. के. चौधरी के द्वारा संत कबीर के दोहे से वक्तव्य की शुरुवात की गई -

"गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूँ पाय।
बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय।"

आपसी सहयोग और सद्भावना बनाए रखने का संदेश दिया गया ।उनके द्वारा बताया गया कि सभी लोगों को एक-दूसरे के प्रति सहयोग की भावना रखनी चाहिए। साथ ही प्रकृति से जुड़कर नियमित व्यायाम करना चाहिए, जिससे शरीर स्वस्थ रहता है और बीमारियों से बचाव होता है।

डॉ. चौधरी ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल 1950 से मनाया जा रहा है। उन्होंने स्क्रीन टाइम कम करने की सलाह दी और COVID-19 का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय लोगों में संवेदनाएं कम हो गई थीं और लोग अपने ही परिजनों से मिलने से डर रहे थे। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि जब तक हम डॉक्टर पर विश्वास नहीं करेंगे, तब तक दवाइयों का पूरा असर नहीं होगा। साथ ही डॉ चौधरी के द्वारा यह भी बताया गया कि आज हम भारतीय केवल अपने देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपनी उत्कृष्ट क्षमता का प्रदर्शन कर रहे है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलगुरु माननीय डॉ. रतन सूर्यवंशी ने कहा कि "हर दिन हेल्थ डे है", इसलिए सभी को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी बीमारी पहले से बताकर नहीं आती है, इसलिए हमें हमेशा सतर्क और जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने "खाना खाओ पानी की तरह और पानी पियो खाना की तरह" कहकर संतुलित जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। साथ ही प्रकृति से मिलने वाले संसाधनों, मौसमी फलों और संतुलित आहार पर जोर दिया। उन्होंने "प्रिवेंशन इज़ बेटर दैन क्योर" का उदाहरण देते हुए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की बात कही। "सर्वे संतु निरामया" का उल्लेख करते हुए उन्होंने सनातन परंपराओं जैसे उपवास को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने की आवश्यकता बताई। अंत में उन्होंने "स्वस्थ रहें, मस्त रहें" का संदेश दिया।

कार्यक्रम के संयोजक माननीय कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने WHO की थीम पर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कोविड-19 के दौरान चिकित्सकों के योगदान और मानव सेवा की सराहना की।

कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने कहा कि डॉक्टर ऐसा व्यक्तित्व होता है जो मरीज को बचाने के लिए पूरी कोशिश करता है, इसलिए हमें डॉक्टरों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि किसी भी बीमारी को नजरअंदाज न करें और योग्य डॉक्टर से ही उपचार लें। साथ ही प्राकृतिक और घरेलू उपाय अपनाने पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव नितिन सांगले, डॉ. प्रज्ञा शुक्ला (निदेशक आईटी), डॉ. नरेंद्र त्रिपाठी (निदेशक अकादमी), डॉ. प्रज्ञा ओझा (निदेशक सीका), डॉ. शुचि मिश्रा, डॉ. सुनीता पमनानी, डॉ. सुनील गुलाटी, डॉ. राजवती दीपांकर सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सीका की वरिष्ठ सलाहकार श्रीमती निधि रावल गौतम ने किया।

## नारी शक्ति वंदन सम्मेलन
## दिनांक - 13 अप्रैल 2026

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' का सीधा प्रसारण 13 अप्रैल 2026 को प्रातः 11 बजे मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल के कॉन्फ्रेंस हॉल में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा सामूहिक रूप से देखा गया। इसे वेबकास्ट के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण, उनके योगदान और भविष्य की दिशा पर प्रधानमंत्री के विचारों को विस्तार से सुना गया।
नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण, उनके अधिकारों की जागरूकता तथा समाज में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देना था। यह सम्मेलन विशेष रूप से महिला आरक्षण (नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023) के महत्व को रेखांकित करने हेतु आयोजित किया गया।

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन 2026 महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि "महिला सशक्त होगी तो राष्ट्र सशक्त होगा।"
यह सम्मेलन न केवल महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देता है, बल्कि समाज में समानता और विकास के नए आयाम भी स्थापित करता है।

# साइबर सुरक्षा विषय पर व्याख्यान
## दिनांक - 24 अप्रैल 2026

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल में आईआईसी एवं इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा "नारी शक्ति वंदन" पखवाड़ा के अंतर्गत साइबर सुरक्षा विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों एवं विद्यार्थियों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति जागरूक करना था।

इस अवसर पर सम्राट अशोक प्रौद्योगिकी संस्थान, विदिशा की विशेषज्ञ डॉ. शैला चुघ ने मुख्य वक्ता के रूप में साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज के समय में डेटा प्राइवेसी और डिजिटल सुरक्षा अत्यंत आवश्यक हो गई है। उन्होंने साइबर हाइजीन प्रैक्टिस जैसे—मजबूत पासवर्ड का उपयोग, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन, नियमित ऐप अपडेट, सुरक्षित ब्राउज़िंग और डिवाइस प्रोटेक्शन के महत्व को समझाया। डॉ. चुघ ने सार्वजनिक वाई-फाई का उपयोग करते समय VPN के प्रयोग की सलाह दी तथा किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि साइबर हमलों से बचाव के लिए "इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्रोटोकॉल" जैसे—पासवर्ड बदलना, संबंधित प्राधिकरण को सूचित करना, डिवाइस स्कैन करना और अकाउंट मॉनिटर करना बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी बताया कि आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के बढ़ते उपयोग के कारण साइबर अपराध और अधिक जटिल हो गए हैं।

AI-जनित वीडियो और कंटेंट की पहचान के लिए नए कानून बनाए जा रहे हैं। साथ ही, सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, क्यूआर कोड और फिशिंग जैसे माध्यमों से डेटा चोरी की संभावनाओं से सतर्क रहने की आवश्यकता है।

डॉ. चुघ ने "संचार साथी" ऐप और उसके अंतर्गत "चक्षु" फीचर तथा अन्य मोबाइल सुरक्षा ऐप्स के उपयोग के माध्यम से डिजिटल सुरक्षा बढ़ाने के उपाय भी बताए।

निदेशक डॉ. रतन सूर्यवंशी ने वर्तमान सरकार द्वारा "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" की सराहना करते हुए कहा कि डिजिटल दुनिया में बढ़ती निर्भरता के साथ जोखिम भी बढ़ रहे हैं, इसलिए सतर्कता अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम संयोजक, विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय से डॉ. प्रज्ञा शुक्ला, डॉ. नरेंद्र त्रिपाठी, डॉ. शुचि मिश्रा, डॉ. सुनीता पमनानी, डॉ. संजय गुलाटी, डॉ. भारती शर्मा, डॉ. सतीश पाटिल सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती निधि रावल गौतम द्वारा किया गया।

# जगतगुरु नानक देव पंजाब स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, पटियाला से समझौता ज्ञापन (MoU)
# दिनांक - 27 अप्रैल 2026

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल तथा जगतगुरु नानक देव पंजाब स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी (JGND PSOU), पटियाला के मध्य दिनांक 27 अप्रैल 2026 को ऑनलाइन माध्यम से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) संपादित किया गया।

इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालयों के माननीय कुलपति मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. (डॉ.) मिलिंद द दांडेकर तथा JGND PSOU की ओर से प्रो. (डॉ.) रत्तन सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

अपने संबोधन में दोनों कुलपतियों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के मध्य शैक्षणिक सहयोग, संयुक्त शोध गतिविधियों, संकाय एवं विद्यार्थी आदान-प्रदान, ई-सामग्री विकास, क्षमता निर्माण तथा नवाचारोन्मुखी कार्यक्रमों के संचालन हेतु एक सुदृढ़ आधार प्रदान करेगा। उन्होंने इसे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता संवर्धन तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में एक आवश्यक और दूरगामी कदम बताया।

समझौता ज्ञापन पर MPBOU की ओर से डॉ. सुशील मंडेरिया, कुलसचिव तथा JGND PSOU की ओर से प्रो. (डॉ.) बलजीत सिंह खेहरा, कुलसचिव द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इस MoU की प्रक्रिया JGND PSOU की ओर से डॉ. करण सुखिजा, निदेशक, योजना एवं विकास प्रभाग द्वारा संपादित की गई। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन सुश्री निधि रावल गौतम, वरिष्ठ सलहाकार, सीका द्वारा किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए उन्होंने इस साझेदारी को शैक्षणिक, शोध, नवाचार एवं संस्थागत विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल बताया।

कार्यक्रम में MPBOU से डॉ. प्रज्ञा शुक्ला (निदेशक, आईटी), डॉ. नरेंद्र त्रिपाठी (निदेशक, अकादमिक एवं EMPRC), डॉ. हेमंत सिंह केशवाल (विभागाध्यक्ष, बी.एड. स्पेशल एजुकेशन), श्री नितिन सांगले (सहायक कुलसचिव), प्रो. बी.बी. शर्मा (प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस), डॉ. शुचि मिश्रा (प्रभारी निदेशक, इनक्यूबेशन) तथा डॉ. ए.ज़ेड. खान (प्लेसमेंट अधिकारी), डॉ.भारती शर्मा, वरिष्ठ सलहाकार, सीका ,श्री संजय गुलाटी, वरिष्ठ सलहाकार , सीका ,डॉ. राजेश सक्सेना सहित अन्य अधिकारी एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे। अंत में डॉ. अमितोज सिंह, एसोसिएट डीन (अकादमिक अफेयर्स), JGND PSOU द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

## अग्निशामक यंत्र संचालन
## दिनांक - 21 मई 2026

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में यांत्रिकी विभाग द्वारा अग्निशामक यंत्र संचालन का डेमो दिया गया उक्त डेमों में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आग लगने जैसी आपातकालीन स्थिति में विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों को संचालित करने से संबंधित जानकारी प्रदान की गई।

## भारतीय भाषा पुस्तक योजना कार्यक्रम
## दिनांक - 28 मई 2026

भारतीय भाषा पुस्तक समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय भाषा पुस्तक योजना की राज्य स्तरीय प्रारंभिक स्तर की बैठक मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में दिनांक 28 मई 2026 को संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मिलिंद द. दांडेकर ने की। प्रो. रवीन्द्र कान्हेरे अध्यक्ष म. प्र. फीस रेगुलेटरी कमेटी, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस बैठक में मध्य प्रदेश के विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ, विद्वान तथा शासकीय निजी विश्वविद्यालयों के कुलगुरु सम्मिलित हुए। बैठक का उद्देश्य भारतीय भाषा पुस्तक योजना के अंतर्गत विभिन्न भारतीय भाषाओं में पुस्तक लेखन का जो कार्य राष्ट्रीय स्तर पर किया जा रहा है उसमें मध्य प्रदेश में हिंदी भाषा में विभिन्न विषयों में पुस्तक लेखन हेतु विषय विशेषज्ञों और विद्वानों को चिन्हित करना एवं भारतीय भाषा पुस्तक लेखन योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देना है।

कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के प्रोफेसर लक्ष्मीकांत त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय भाषाओं के संवर्धन हेतु भारतीय भाषा पुस्तक समिति का गठन किया गया है,इसका मूल कार्य भारत की 22 भाषाओं में अकादमिक लेखन को बढ़ावा देना है | बजट में भारतीय भाषा पुस्तक योजना के लिए प्रावधान किया गया है | उन्होंने कहा कि भारतीय भाषा में मौलिक अकादमिक लेखन होना चाहिए और इसके साथ ही आवश्यकता अनुसार अनुवाद भी किया जाना चाहिए | इस हेतु एक वह पोर्टल बनाया जाएगा जिसमें ये पुस्तके उपलब्ध होगी | हर प्रदेश में एक नोडल विश्वविद्यालय होगा | इस योजना के तहत पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तको और संदर्भ पुस्तकों का लेखन किया जाएगा| इस परियोजना की अवधि 3 वर्ष होगी |

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के कुलगुरु प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में भारतीय भाषाओं का विकास समय की मांग है और यह योजना इसी दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है | उन्होंने कहा कि हमें इस बात पर अधिक बल देना चाहिए कि हम हिंदी को पूरे भारत में फैला सके | उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि हिंदी में पाठकों की संख्या कम हो रही है और बच्चों की पढ़ने की रूचि कम होती जा रही है | उन्होंने कहा कि किताबों को हमें ऑनलाइन करना होगा और सोशल मीडिया के माध्यम से इनका प्रचार प्रसार होना चाहिए | हर किताब का डिजिटल वर्जन उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है | उन्होंने कहा कि तकनीकी एवं विज्ञान के क्षेत्र में हिंदी में किताबें लाना अति आवश्यक है यहां तक कि हमें सॉफ्टवेयर लिखने की भाषा भी हिंदी में विकसित करना चाहिए |

कार्यक्रम में उपस्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई ने कहा कि हमें विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में अंग्रेजी भाषा के प्रभुत्व को समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि अंग्रेजी भाषा के चक्कर में ग्रामीण प्रतिभाओं का दमन होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषा पुस्तक योजना इस दिशा में उठाया गया बहुत ही सही कदम है। उन्होंने कहा कि सभी विद्वानों की मेधा का उपयोग हिंदी भाषा लेखन में करना है। हमें एक भारत, श्रेष्ठ भारत के उद्देश्य को भी साकार करना है। हमें अनुवाद की वजह मूल लेखन पर जोर देना चाहिए तथा लेखन सरल और सुग्राह्य होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भाषा के साथ हमें रोजगार को भी जोड़ना चाहिए तथा हमें अंतर विश्वविद्यालय सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए। हिंदी भाषा केवल संवाद का माध्यम ही नहीं बल्कि हमारी राष्ट्रीय अस्मिता की संवाहक है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश फीस रेगुलेटरी अथॉरिटी के अध्यक्ष डॉ रविंद्र कान्हेरे ने कहा कि भारत में लगभग प्रतिवर्ष एक लाख पुस्तकों का प्रकाशन होता है इसमें से लगभग 25% अंग्रेजी भाषा की पुस्तक होती हैं जबकि अंग्रेजी बोलने समझने वालों की संख्या केवल 10% है। उन्होंने कहा कि हमारे स्थानीय भाषाओं के साहित्य को हिंदी भाषा में लेखन किया जाना चाहिए और हिंदी से अन्य भाषाओं में अनुवाद होना चाहिए। उन्होंने इस संदर्भ में कहा कि मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी में लेखकों का एक बहुत बड़ा डेटाबेस है इसका उपयोग हमें इस योजना के क्रियान्वयन में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने-अपने विश्वविद्यालयों में बैठक आयोजित कर विषयवार लेखको के समूह बनाने चाहिए और प्रत्येक समूह में एक वरिष्ठ लेखक के साथ दो कनिष्ठ लेखको का संयोजन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस योजना को हमें मिशन मोड में लेकर निर्धारित समय अवधि में पूर्ण करना होगा।

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारतीय 22 भाषाओं में अपने मौलिक साहित्य की रचना करना तथा अन्य भाषाओं की रचनाओं को एक दूसरी भाषा में उपलब्ध कराना इस योजना का मूल उद्देश्य है। इस विचार को मूर्त रूप देने के लिए मध्य प्रदेश में यह पहली बैठक है जिसमें विशेषज्ञों की पहचान करना और प्रशिक्षण देना इसका उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि लेखन में मौलिक चिंतन और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान होना चाहिए। मानक पुस्तकों का लेखन एक बड़ी चुनौती है हमें लेखन करते समय भारतीय ज्ञान परंपरा को भी दृष्टिगत रखना होगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के विषय विशेषज्ञों के लिए यह योजना लेखन का एक सुनहरा अवसर प्रदान करती है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता भारतीय भाषा पुस्तक समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अकादमिक समन्वयक डॉ. चंदन श्रीवास्तव ने इस योजना के बारे में एक विस्तार से अपना प्रस्तुतिकरण दिया उन्होंने इस योजना के उद्देश्य और कार्य प्रणाली के संदर्भ में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत लगभग 2.5 लाख पुस्तकों का लेखन का उद्देश्य रखा गया है, इस योजना का उद्देश्य भारत की सभी भाषाओं में पुस्तकों को डिजिटल इंटरएक्टिव रूप में उपलब्ध कराना है।

इस हेतु बजट में निश्चित प्रावधान भी किया गया है। ये पुस्तके विद्यालयीन और उच्च शिक्षा से संबंधित पुस्तक होगी। उन्होंने कहा कि यह सभी पुस्तक उच्च गुणवत्ता की पुस्तक होगी। इनमें मूल लेखन और अनुवाद के माध्यम से भी पुस्तक लिखी जाएगी। उन्होंने बताया कि पुस्तक लेखन को राज्यवार बांटा गया है।

राज्य की आवश्यकता अनुसार पुस्तकों का लेखन कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि लेखकों और संपादकों के चयन की प्रक्रिया पारदर्शी होगी। लेखकों को प्रोजेक्ट मोड में ग्रांट दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषा पुस्तक योजना का एक वेब पोर्टल बनाया जाएगा। इसी के माध्यम से सभी प्रतिभागियों के लेखन कार्य का नियंत्रण एवं क्रियान्वयन किया जाएगा। उन्होंने अपने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि इस योजना को किस प्रकार से केंद्र स्तर पर, राज्य स्तर और सबसे निचले स्तर पर अग्रणी संस्थान स्तर पर विभिन्न समितियां के माध्यम से संचालित एवं नियंत्रित किया जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. रतन सूर्यवंशी, निदेशक, मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील मंडेरिया, कुलसचिव, मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, द्वारा किया गया।

# बिजनेस प्लान पोस्टर प्रस्तुतीकरण एवं डेमो डे कार्यक्रम
## दिनांक - 05 जून 2026

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल के इन्क्यूबेशन सेंटर एवं इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (IIC) के संयुक्त तत्वावधान में डेमो डे एवं बिजनेस प्लान पोस्टर प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं नवाचारकर्ताओं को अपने व्यावसायिक विचारों को प्रस्तुत करने तथा विशेषज्ञों एवं मेंटर्स से मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना था।

कार्यक्रम का आयोजन इन्क्यूबेशन सेंटर की प्रभारी निदेशक डॉ. शुचि मिश्रा के निर्देशन में किया गया। पोस्टर प्रस्तुतीकरण के अंतर्गत फूड टेक्नोलॉजी, सोलर पैनल, कृषि आधारित व्यावसायिक विचार एवं वेस्ट मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित बिजनेस प्लान प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दौरान मेंटर की प्रक्रिया के माध्यम से प्रतिभागियों को अनुभवी विशेषज्ञों एवं उद्योग जगत से जुड़े मेंटर्स से जोड़ने का प्रयास किया गया, जिससे वे अपने व्यावसायिक विचारों को व्यवहारिक रूप दे सकें। विशेषज्ञों ने प्रस्तुत योजनाओं का मूल्यांकन करते हुए आवश्यक सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. विभा मिश्रा, डॉ. प्रज्ञा शुक्ला, डॉ. सुनीता पमनानी, डॉ. भारती शर्मा, डॉ. शिवांगी दुबे एवं निधि रावल गौतम ओर विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

## योगाभ्यास कार्यक्रम
## दिनांक - 21 जून 2026

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर योगाभ्यास कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को योगाचार्य श्री सौरभ शर्मा ने योगाभ्यास कराया। श्री सौरभ शर्मा ने योग में आसन, प्राणायाम और ध्यान के महत्त्व को समझाते हुए सूक्ष्म व्यायाम, विभिन्न प्रकार के आसन जैसे ताड़ासन, त्रिकोणासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम का अभ्यास कराया और उनके शरीर पर होने वाले प्रभाव की चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने योग निद्रा का अभ्यास कराया तथा स्वस्थ जीवनशैली के लिए जीवन में योग और आहार के महत्त्व को भी समझाया।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री अरुण सिंह चौहान के साथ विभिन्न विभागों के निदेशकगण, शिक्षकगण, अधिकारियों और कर्मचरियों के साथ- साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भी योगाभ्यास किया।